प्राकृतिक प्रकोप | पेड़ गिरे बिजली गुल, बेलखाडू, मालबाबा, हरदुआ सहित अन्य गांव में जनजीवन अस्त-व्यस्त

तेज अंधड़ और मूसलाधार बारिश से मची त्राहि

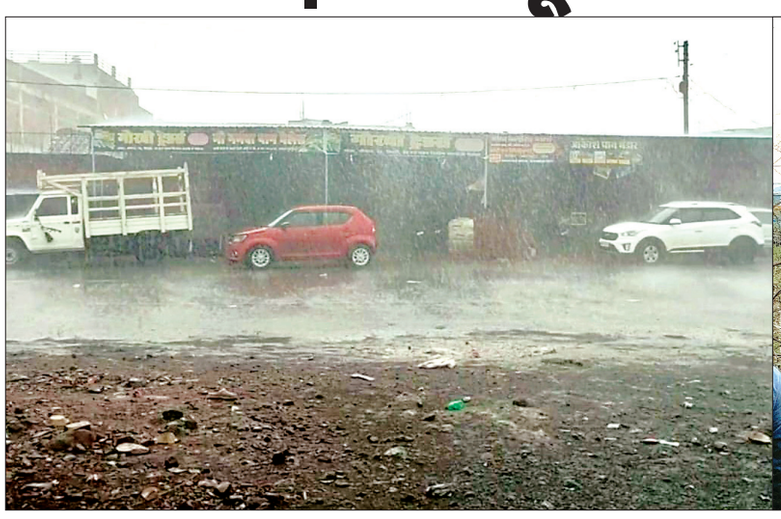

नवभारत,बेलखाडू, जबलपुर। तेज अंधड़ और मूसलाधार बारिश ने बेलखाडू मालबाबा के पास हरदुआ रोड किनारे भारी तबाही मचा दी।

अचानक आए तूफान के कारण सड़क किनारे लगे बबूल और आम के कई बड़े पेड़ जड़ से उखड़कर गिर गए। तेज बारिश के बीच ये पेड़ बिजली की इंडस्ट्रियल लाइन पर गिर गए, जिससे बिजली के तार टूटकर जमीन पर बिखर गए और पूरे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति ठप हो गई।

बिजली विभाग की तत्परता

घटना की सूचना मिलते ही बिजली विभाग के कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे। कर्मचारियों ने ग्रामीणों की मदद से गिरे पेड़ों को काटकर हटाने और टूटे तारों को सुरक्षित करने का काम शुरू किया। कई घंटों तक लगातार मेहनत के बाद रास्ता साफ करने और बिजली व्यवस्था बहाल करने का प्रयास जारी रहा , समाचार लिखे जाने तक बिजली गुल रही ।

ग्रामीणों के साथ मिलकर चला राहत कार्य

मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मदद के लिए आगे आए। लोगों ने मिलकर टहनियां काटीं, रास्ता साफ किया और बिजली कर्मचारियों का सहयोग किया। इस दौरान सड़क पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही और लोगों को सावधानी के साथ गुजरना पड़ा।

गरीबों पर सबसे ज्यादा असर

अचानक हुई बारिश अंधड़ की वजह से गरीबों के आशियानों को ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है बताया जाता है कि दोपहर 3 बजे तेज बारिश के साथ तेज आंधी के कारण कई कच्चे घरों के छप्पर और झोपड़ियां उड़ गईं, जिससे गरीब परिवारों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। कई परिवारों के आशियाने क्षतिग्रस्त हो गए और घरेलू सामान भी भीग गया।

कॉलोनियों में बारिश से हुआ जलभराव

भारी बारिश के कारण रहवासी कॉलोनियों में पानी भर गया। तेज बौछारों के चलते कई घरों के अंदर तक पानी पहुंच गया, जिससे लोगों को रातभर परेशानी झेलनी पड़ी।

लाखों की आय के बावजूद राम जानकी मंदिर जर्जर

पानी और प्रसाद की व्यवस्था भी बदहाल

मझौली, नवभारत संवाददाता। नगर के मुख्य बाजार स्थित प्राचीन श्री राम जानकी मंदिर अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है। जबलपुर तिराहे के पास स्थित इस मंदिर की भव्यता अब केवल इतिहास के पन्नों तक सिमटती नजर आ रही है। मंदिर प्रशासन और शासन की अनदेखी के कारण यहाँ न केवल भवन जर्जर हो रहा है, बल्कि श्रद्धालुओं के लिए बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है।

मंदिर दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं ने बताया कि परिसर में पीने के पानी तक की उचित व्यवस्था नहीं है। भीषण गर्मी के इस दौर में भक्तों को भटकना पड़ता है। इसके अलावा, मंदिर में प्रसाद के वितरण और उसकी व्यवस्था को लेकर भी भारी अव्यवस्था देखने को मिल रही है, जिससे श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँच रही है।

1.20 लाख की मासिक आय आखिर कहाँ?

मंदिर की संपत्ति से जुड़े 28 कमरे मेन मार्केट जैसे प्राइम लोकेशन पर होने के कारण करीब 1 लाख 20 हजार रुपए की मासिक आय देते हैं। इसके बावजूद मंदिर प्रांगण की हालत 'खंडहर' जैसी हो गई है। स्थानीय लोग सवाल उठा रहे हैं कि आखिर इतनी बड़ी राशि का उपयोग कहाँ किया जा रहा है?

पानी की स्थाई व्यवस्था भी नदारद

मंदिर प्रांगण की छत और दीवारें अत्यंत कमजोर स्थिति में हैं। वहीं मंदिर परिसर में पानी की कोई स्थायी या स्वच्छ व्यवस्था नहीं है। दूसरी ओर प्रसाद और भोग की व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह उदासीन है। आलम यह है कि शासन-प्रशासन की ओर से मंदिर के संरक्षण के लिए कोई पहल नहीं की जा रही है। मझौली के निवासी शिवकुमार का कहना है कि यह मंदिर क्षेत्र की आस्था का केंद्र है, लेकिन प्रशासन इसे केवल आय का जरिया मान रहा है और सुविधाओं के नाम पर यहाँ शून्य काम हो रहा है।

मझौली नगर परिषद का 'डिजिटल' बहाना : 3 साल बाद जागा प्रशासन

बोले- 'सीसीटीवी फुटेज तो डिलीट हो गए!

मझौली, नवभारत, संवाददाता, जबलपुर। नगर परिषद मझौली में पारदर्शिता की उम्मीद लेकर आरटीआई लगाने वाले नागरिकों को सिर्फ 'तारीख और टालमटोल' मिल रही है।

सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई सीसीटीवी फुटेज की जानकारी को परिषद ने यह कहकर खारिज कर दिया कि डेटा 'ऑटो-डिलीट' हो गया है। सवाल यह है कि यदि जवाब समय पर दिया जाता, तो क्या डेटा सुरक्षित नहीं रहता।

2023 का आवेदन, 2026 में जवाब

वार्ड क्रमांक 12 निवासी सुंदर लाल बर्मन ने 30 जनवरी 2023 को एक आरटीआई आवेदन देकर नगर परिषद कार्यालय के भीतर और गलियारों में लगे सीसीटीवी कैमरों की 01/09/2022 से आवेदन दिनांक तक की वीडियो फुटेज मांगी थी। नियमत इसका जवाब 30 दिनों के भीतर मिल जाना चाहिए था, लेकिन नगर परिषद ने 27 अप्रैल 2026 (3 साल बाद) पत्र क्रमांक 187 के माध्यम से जवाब दिया कि: 'कैमरों में केवल 5 से 7 दिनों की रिकॉर्डिंग रहती है, उसके बाद वह ऑटो-डिलीट हो जाती है। इस कारण रिकॉर्डिंग देना संभव नहीं है।' नगर परिषद के इस तर्क ने प्रशासनिक हल्कों में हलचल मचा दी है। विशेषज्ञों और ग्रामीणों ने कई तीखे सवाल उठाए हैं।

देरी का जिम्मेदार कौन

यदि रिकॉर्डिंग 7 दिन में डिलीट होती है, तो परिषद ने आवेदन मिलने के तुरंत बाद फुटेज सुरक्षित क्यों नहीं किए।

तीन साल तक आवेदन क्यों दबा रहा?

क्या यह देरी जानबूझकर की गई ताकि 'डेटा डिलीट' होने का कानूनी बहाना बनाया जा सके।

क्या छिपाना चाहती है परिषद?

उस दौरान कार्यालय के भीतर ऐसी कौन सी हलचल या गतिविधियाँ हुई थीं, जिन्हें सार्वजनिक करने से अधिकारी डर रहे हैं।

सूचना का अधिकार अधिनियम कहता है कि यदि जानकारी उपलब्ध नहीं है, तो उसे तत्काल बताया जाए। लेकिन यहाँ 3 साल तक आवेदक को अंधेरे में रखा गया और अंत में 'तकनीकी खराबी' का हवाला देकर पल्ला झाड़ लिया गया। यह न केवल आवेदक के अधिकारों का हनन है, बल्कि सरकारी पारदर्शिता पर भी एक बड़ा धब्बा है।

मोबाइल नंबर बदलने के नाम पर वसूले जा रहे रुपये

नवभारत, गाडरवारा। क्षेत्र में गैस उपभोक्ताओं के साथ मनमानी का मामला सामने आया है, जहां गैस कनेक्शन की बुक में मोबाइल नंबर अपडेट कराने के लिए उपभोक्ताओं से 400 तक की वसूली की जा रही है। जबकि नियमों के अनुसार यह प्रक्रिया या तो नि:शुल्क होती है या बेहद मामूली शुल्क में पूरी की जाती है। जानकारी के अनुसार, कई उपभोक्ताओं ने शिकायत की है कि एजेंसी पर नंबर बदलवाने के लिए पहुंचने पर उनसे बिना किसी स्पष्ट कारण के पैसे मांगे जा रहे हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि कई मामलों में उपभोक्ताओं को इसकी कोई पक्की रसीद भी नहीं दी जा रही है।

कियोस्क संचालक पर धोखाधड़ी का आरोप

शाखा प्रबंधक ने दिए जांच के निर्देश

नवभारत, मझौली। भारतीय स्टेट बैंक की स्थानीय कियोस्क शाखा में ग्राहक के साथ धोखाधड़ी का मामला गर्माता जा रहा है। ग्राम निवासी कीर्ति बाई दहिया ने कियोस्क संचालक शरद सोनी पर उनके खाते से चोरी-छिपे अधिक पैसे निकालने और पासबुक में गलत प्रविष्टि (एंट्री) करने का आरोप लगाया है।

पीड़िता के अनुसार, वह अपने खाते से राशि निकालने कियोस्क सेंटर गई थी। आरोप है कि संचालक ने खाते से 5000 रुपये की निकासी दिखाई, जबकि पीड़िता को केवल 2500 रुपये दिए गए। धोखाधड़ी को पुख्ता करने के लिए संचालक ने कंप्यूटर एंट्री के बजाय पासबुक में पेन से 2500 रुपये लिखकर पीड़िता को चलता कर दिया। बैंक से स्टेटमेंट निकालने पर इस हेराफेरी का खुलासा हुआ। इस घटना के बाद से क्षेत्रीय ग्रामीणों का कहना है कि कम पढ़े-लिखे लोगों की पासबुक में पेन से एंट्री करना धोखाधड़ी की सोची-समझी साजिश हो सकती है। अब सभी की निगाहें बैंक की आंतरिक जांच पर टिकी हैं कि क्या पीड़िता को उनके पैसे वापस मिल पाएंगे।

शाखा प्रबंधक का पक्ष

इस संबंध में जब भारतीय स्टेट बैंक मझौली के शाखा प्रबंधक राजेन्द्र साक्रिया से चर्चा की गई, तो उन्होंने मामले की गंभीरता को स्वीकार किया। प्रबंधक ने कहा हमें पीड़िता की लिखित शिकायत प्राप्त हुई है।

प्राथमिक जांच शुरू

कियोस्क केंद्रों को स्पष्ट निर्देश हैं कि वे पासबुक में कोई भी हस्तलिखित (पेन से) एंट्री नहीं कर सकते। मामले की प्राथमिक जांच शुरू कर दी गई है और संबंधित कियोस्क संचालक से स्पष्टीकरण मांगा गया है। यदि अनियमितता की पुष्टि होती है, तो कियोस्क का लाइसेंस रद्द करने के साथ-साथ पुलिस कार्रवाई के लिए भी अनुशंसा की जाएगी।

नैनपुर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया लाड़ली उत्सव

सेल्फी पॉइंट रहा आकर्षण का केंद्र

नवभारत,नैनपुर। बालिका सशक्तिकरण और योजना के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। महिला एवं बाल विकास परियोजना नैनपुर के सेक्टर-1 में आयोजित इस कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुईं। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि इसका मंच संचालन स्वयं लाड़ली लक्ष्मी योजना की लाभान्वित बालिका कुमारी यांची झरिया ने किया। इस दौरान बालिकाओं ने स्वागत गीत और शानदार सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा दिखाई। एक पेड़ लाड़ली लक्ष्मी के नाम अभियान के तहत मुख्य अतिथि एवं बालिकाओं ने मिलकर पौधारोपण किया। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली मेधावी छात्रा मितिका दीक्षित कक्षा 5वीं और अनामिका झरिया कक्षा 10वीं को गौरव चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

बबलिया खरीदी केंद्र में करोड़ों की धान का खेल

500 क्विंटल धान गायब होने की चर्चा, आक्रोशित किसानों ने दी गेहूं खरीदी केंद्र बंद करने की चेतावनी

नवभारत, बबलिया। जिले के बबलिया स्थित महाकौशल विपणन खरीदी केंद्र में धान खरीदी को लेकर एक बड़ा घोटाला सामने आ रहा है। यहाँ समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले दर्जनों किसान पिछले 4 महीनों से अपने भुगतान के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं, जबकि केंद्र के पूर्व प्रभारी और कर्मचारियों पर सरकारी धन और धान की हेराफेरी के गंभीर आरोप लगे हैं।

मामला तब गरमाया जब एक पीड़ित किसान आदिम जाति सेवा सहकारी समिति द्वारा संचालित वर्तमान गेहूं खरीदी केंद्र पहुँचा। किसान का आरोप है कि उसने लगभग 4 महीने पहले 36 क्विंटल धान केंद्र में बेची थी, जिसका भुगतान आज दिनांक तक नहीं हो सका है।

500 क्विंटल धान लापता, जांच के घेरे में पूर्व अमला

वर्तमान गेहूं खरीदी केंद्र में पदस्थ सर्वेयर संजय सिंगरौरे ने बताया कि जब से गेहूं खरीदी शुरू हुई है, तब से कई किसान धान की पर्ची लेकर भुगतान की गुहार लगा रहे हैं। बताया जा रहा है कि पूर्व में यहाँ महाकौशल विपणन संघ के माध्यम से धान खरीदी की गई थी, जिसका प्रभारी संतोष नामक कर्मचारी था। चर्चा है कि केंद्र में करीब 500 क्विंटल धान की कमी है, जिसे खुर्द-बुर्द कर सरकारी खजाने को चूना लगाया गया है। अब संस्था बदल जाने के कारण वर्तमान कर्मचारी पुरानी गड़बड़ियों से पल्ला झाड़ रहे हैं।

उर्स ए अकदस कटंगी आज से

पाटन/कटंगी। कटंगी में आयोजित होने वाला 78 वां सालाना उर्स मुबारक हज़रत सैय्यद ज़िन्दा शाह वली ए कामिल प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी आयोजित किया जा रहा है। तीन दिन के उर्स आयोजन में आज 3 मई को बड़ी शान व शौकत के साथ शाही संदल शरीफ चादर जुलूस शाम 5 बजे से वार्ड नं. 8 समीचौक से मदार चौक, बुरहा निया चौक मेन रोड होते हुये आस्ताना ये आलिया पहुँचेगा जहाँ चादर पेश की जायेगी। इसके साथ ही 4 मई को रात्रि 10 बजे से कव्वाली का शानदार प्रोग्राम रखा गया है जिसमे जविद हुसैन कव्वाल रामपुर यू.पी. एवं नियाज़ सुलैमानी मप्र कलाम पेश करेंगें।

हिन्दुस्तान के मशहूर कव्वाल अज़ीम नाज़ा मुंबई एवं गुलाम वारिस कव्वाल दिल्ली अपने कलाम पेश करेंगें। उर्स कमेटी के सदर मोहम्मद हन्नान नायब, सदर मो0 राशिद राजा, सेकेट्री मो. इदरीश, मोन्खु खाजांची, डॉ. पुरीद मुन्सिफ, मो. आबिद ठेकदार, मोहम्मद महबूब, मो. शाहिद, मो. खुर्शीद, नाजिम खान, जहीर पहलवान, मोहम्मद यासीन पार्षद, सलीम मासाब, शहीद खान, तस्सू खान, डब्लू खान, अन्नू, नियाज ठेकेदार ने उर्स में उपस्थिति की अपील की है।

हादसा | बिछिया के सिझौरा में दुर्घटना

पूर्व विधायक की कार ने बाइक सवार को टक्कर मारी,मौत

नवभारत, मंडला, जिले के बिछिया स्थित ग्राम सिझोरा में देर रात पूर्व विधायक पंडित सिंह धुर्वे की कार ने बाइक सवार युवक श्रीराम साहू को टक्कर मार दी। हादसे में श्रीराम साहू की मौत हो गई।

बताया जाता है कि हादसा उस वक्त हुआ है जब श्रीराम साहू मोटर साइकल से अपने घर लौट रहा था। पुलिस के अनुसार श्रीराम साहू उम्र 31 वर्ष विद्युत मंडल में मीटिर रीडिंग का काम करता रहा, वह देर रात मोटर साइकल से अपने घर जाने के लिए निकला, जब वह सिझोरा से आगे बढ़ रहा था, इस दौरान सामने से आई कार ने मोटर साइकल को टक्कर मार दी। कार की टक्कर लगते ही श्रीराम साहू मोटर साइकल सहित सामने की ओर गिरा, जिससे उसके सिर, चेहरे व सीने में गंभीर चोटें आने से मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना होते देख आसपास के लोग एकत्र हो गए, इस बीच कार सवार युवक भाग निकले। खबर मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए, जिन्होने श्रीराम साहू को अस्पताल पहुंचाया, जहां पर डाक्टरों ने भी श्रीराम को जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार को जब्त कर लिया, जो पूर्व विधायक पंडित सिंह धुर्वे की बताई जा रही है। पुलिस अब कार सवार युवकों की तलाश में जुटी है।